त्रैमासिक परीक्षा 2023-24

विषय - राजनीति शास्त्र

कक्षा – 11वी

Set-A

classes.

कुल प्रश्न -23 पूर्णांक - 80 अंक

समय - 3 घण्टे

निर्देश- i-सभी प्रश्न अनिवार्य है।

ii- प्रश्न क्रमाक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है । प्रत्येक उप प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है। सही विकल्प 06 , रिक्त स्थान06, सत्य /असत्य06, सही जोड़ी क वाक्य 07 अंक के है। कुल अंक 32 है ।

iii- प्रश्न क्रमाक 6 से 23 तक प्रश्न मे आंतरिक विकल्प दिये गये है।

iv- प्रश्न क्रमाक 6 से15 तक कुल10 प्रश्न होगे | प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित है ।

iii- प्रश्न क्रमाक 6 से 23 तक प्रत्येक ... मे आतरिक विकल्प दिये गये है।

iv- प्रश्न क्रमा... 6 से 15 तक ... प्रश्न होगे | प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित है ।

...क 16 से 19 तक कुल 04 प्रश्न होगे । प्रत्येक प्रश्न पर 03 अंक निर्धारित है।

vi- प्रश्न क्रमाक 20 से 23 तक 04 प्रश्न होगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1- **सही विकल्प चुनकर लिखिये ।** **06**

i- भारतीय सविधान कि अनुसूचियाँ है -

अ - 8 स- 11 द- 12

ii- राष्ट्रीय मतदान दिवस मनाया जाता है -

अ- 25 जनवरी ब- 25 दिसम्बर

स- 25 सितम्बर द- 28 अगस्त

iii- दल - बदल विरोधी कानून किस संविधान संशोधन से सम्बंधित है -

अ- 42 वॉ ब-44 वॉ

स-52 वॉ द-73 वॉ

iv स्वराज्य का अर्थ है -

अ- स्वतन्त्रता ब- स्व का शासन

स- समान समुदाय द- स्व के ऊपर शासन

v- भारत का संविधान है-

अ - विकसित ब - अलिखित

स - लिखित व निमत द - कठोर

vi- भारतीय सविधान मे स्वतन्त्रता व समानता का सिद्धांत कहा से लिया गय

अ- अमेरिका ब- चीन

स- फ्रान्स द- रूस

प्रश्न 2- रिक्त स्थानों की पूर्ति 06

i- भारत में वोट डालने की उम्र ….. है ।

निर्वाचन आयोग मे एक मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य ……. आयुक्त होते है।

iii- राजनीतिक दलो को चुनाव चिन्ह………….. प्रदान करता है ।

iv- व्यावसायिक प्रतिनिधित्व का समर्थक….. थे।

v-भारत में राष्ट्रपति का कार्यकाल…. होता है

vi- " ए थ्योरी ऑफ जस्टिस " पुस्तक….. द्वारा लिखी गयी है।

प्रश्न 3- सत्य / असत्य लिखिये । 06

i- दक्षिण आफ्रीका का संविधान दिसम्बर 1996 मे बना ।

ii- भारतीय संविधान ने भारत के नागरिको को सात मौलिक अधिकार प्रदान किया है।

iii-'पालटिक्स' के रचयिता कार्ल मार्क्स है।

iv- प्लेटो के गुरु आरस्तू थे।

v- "ग्रामर ऑफ पॉलटिक्स ….. जॉन लास्की की है।

vi- स्वतन्त्रता ही सामाजिक न्याय का मुख्य तत्व है।

classes classes classes. classes. classes

iv- प्लेटो के गुरु आरस्तू थे।

v- "ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स" रचना जॉन लास्की की है।

vi- स्वतन्त्रता ही सामाजिक न्याय का मुख्य तत्व है।

प्रश्न 4 -सही जोड़ी का मिलान कीजिये । **07**

सूची अ	सूची ब
1- भारत के राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में मनोनीत सदस्य संख्या	A- राष्ट्रपति
2. महात्मा	B- बारह
3- राज्य सभा का पदेन सभापति	C- राष्ट्रपिता
4. ए थ्योरी ऑफ जस्टिस	D- कानून बनाना
5. डोनाल्ड ट्रम्प	E- अमेरिका के राष्ट्रपति
6- विधायिका का कार्य	F- जान राल्स
7- प्रतिभा पाटिल	G- उपराष्ट्रपति

प्रश्न 5 -एक वाक्य मे उत्तर दीजिये ।

प्रश्न 5 -एक वाक्य मे उत्तर दीजिये । **07**

i- शोषण के विर अधिकार किस अनुच्छेद मे है ।

ii- समता का अधिकार क्या है?

iii- शिक्षा का अधिकार किस अनुच्छेद में है ?

iv- स्वराज्य क्या है?

v- चार भारतीय राजनीतिक चिन्तको के नाम लिखिये ।

vi- संविधान सभा किसे क ।

vii- सामाजिक न्याय क्या है ?

श्न 6- कार्यपालेका क्या है ? 02

अथवा

लोकतंत्र मे कार्यपालिका किसके प्रति उतरदायी होती है।

प्रश्न 7- समानता का अधिकार किस देश के सविधान से लिया गया है । 02

अथवा

अवसरो कि सामानता क्या

classes.

प्रश्न 8- प्राकृतिक अधिकार क्या है, लिखिये । 02

अथवा

शिक्षा का अर्थ क्या है, लिखिये

प्रश्न9- मौलिक अधिकार के नाम लिखिये । 02

अथवा

मानवाधिकार क्या है, लिखिये ।

प्रश्न10- उदारवाद क्या है लिखिये । 02

अथवा

न्यायोचित प्रतिबन्ध क्या है, लिखिये ।

प्रश्न11- मार्क्सवाद क्या है ? 02

अथवा

सामूहिक उत्तरदायित्व क्या है, लिखिये ।

प्रश्न12- संवैधानिक उपचारों का अधिकार क्या है, लिखिये । 02

अथवा

राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को समझाइये ।

प्रश्न13- मौलिक कर्तव्य क्या है? 02

अथवा

सम्पति का अधिकार कब व किस संविधान संशोधन के तहत हटाया गया था।

प्रश्न14- समानुपातिक न्याय का सिद्धान्त क्या है, समझाइये । 02

अथवा

सामाजिक न्याय क्या है, इसकी विशेषताए लिखिये ।

प्रश्न15- स्वतन्त्रता क्या है, उसके प्रकारो को लिखिये । 02

अथवा

प्रतिबन्ध क्यो आवश्यक है, उदाहरण देकर लिखिये ।

प्रश्न16- हमे संविधान की आवश्यकता क्यो पड़ी उदाहरण देकर समझाइये । 03

अथवा

संविधान क्या है ? उसके विशेषताओ को लिखिये ।

प्रश्न17- ध्यानाकर्षण प्रस्ताव व शून्य काल क्या होता है, लिखिये । 03

अथवा

लोकतान्त्रिक सरकार क्या है इसकी कोई तीन मुख्य विशेषताएँ लिखिये।

प्रश्न 18- लोकतन्त्र मे सामाजिक न्याय जरूरी है ता- उदाहरण देकर लिखिये। 03

अथवा

सामाजिक न्याय के क्रियान्वयन मे भारतीय संविधान कि भूमिका को समझाकर लिखिये।

प्रश्न19- समानता का अर्थ व उसके प्रकारो को लिखिये । 03

अथवा

समानता एव स्वतन्त्रता एक दूसरे के पूरक है, व्याख्या कीजिये ।

प्रश्न20- सामाजिक न्याय के संदर्भ मे भारतीय संविधान मे निर्मित प्रावधानो की व्याख्या काजिये । 04

अथवा

राजनीतिक न्याय लोकतन्त्र के लिए आवश्यक है क्यो चाहिये ।

प्रश्न-21 -अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता क्या है? उदाहरण सहित लिखिये । 04

अथवा

स्वतन्त्रता की रक्षा हेतु संविधान मे वर्णित प्रमख अनुच्छेदो को लिखिये।

प्रश्न22- विधायिका क्या है ? इसके प्रमुख कार्यो को समझाकर लिखिये । 04

अथवा

संसद मे कानून निर्माण कि प्रक्रिया को समझाकर लिखिये ।

प्रश्न23- निर्वाचन आयोग क्या है? इसके प्रमुख कार्यो को समझाकर लिखिये। 04

अथवा

लोकतन्त्र के लिए स्वतन्त्र और निष्पक्ष चुनाव अनिवाय क्यो है,समझाकर लिखिये ।

19:07
google.com/search?q=कार्य
समाचार In hindi इमेज वीडियो संघीय स्थायी

हिन्दी में खोजें : कार्यकारी शाखा

People also ask

कार्यपालिका क्या होती है in Hindi?

कार्यपालिका का अर्थ व्यक्तियों के उस समूह से है जो कायदे-कानूनों को संगठन में रोज़ाना लागू करते हैं। सरकार के मामले में भी, एक संस्था नीतिगत निर्णय लेती है और नियमों और कायदों के बारे में तय करती है; दूसरी उसे लागू करने की जिम्मेदारी निभाती है।

https://ncert.nic.in › khps204 PDF

कार्यपालिका - NCERT

MORE RESULTS

कार्यपालिका किसे कहते हैं और कितने प्रकार की होती है?

कार्यपालिका के मुख्य कार्य कौन कौन है?

कार्यपालिका और विधायिका में क्या अंतर है?

19:07
google.com/search?q=लोक

Google

लोकतंत्र में कार्यपालिका किसके प्रति उ

समाचार वीडियो इमेज किताबें शॉपिंग All filte

हिंदी में खोजें लोकतंत्र में कार्यपालिका किसके प्रति...

इसे सुनें

संसदीय प्रणाली (parliamentary system) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की वह प्रणाली है जिसमें कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैधता विधायिका के माध्यम से प्राप्त करती है और विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

https://www.drishtiias.com › printpdf

संसदीय बनाम अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली - Drishti IAS

About featured snippets Feedback

People also ask

लोकतंत्र में कार्यपालिका की क्या भूमिका है?

राष्ट्रपति के प्रति कौन उत्तरदाई होता है?

19:07
google.com/search?q=San

Videos News Books Shopping Images

Showing results for Samanta Ka Adhikar Kis Desh ke ***samvidhan*** se liya gaya hai

Search instead for Samanta Ka Adhikar Kis Desh ke sanvidhan se liya gaya hai

हिंदी में खोजें सामंत का अधिकार किस देश के संवि...

इसे सुनें

इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है । भारतीय संविधान में समानता का अधिकार क्या है?

https://hi.quora.com › अनुच्छेद...

अनुच्छेद 14 में कानून की समानता का अधिकार किस देश से लिया गया है? - Quora

About featured snippets Feedback

People also ask

समानता का अधिकार कौन से देश से लिया गया है?

भारतीय संविधान में समानता का अधिकार कौन से अनुच्छेद में है?

19:08 5G+ 62

google.com/search?q=afsa

Google

afsaron ki Samanta kya hai

Videos | Images | News | Books | Maps | Sh

हिंदी में खोजें अधिकारियों की सामंत क्या है

इसे सुनें

अवसर की समानता का अर्थ है उन सभी अवरोधों को दूर करना जो व्यक्तिगत आत्मा विकास में बाधा डालते हैं । इसका अर्थ है कि पेशे व्यवसाय प्रतिभावन व्यक्ति के लिए ही खुले होने चाहिए और तरक्कीयाँ योग्यताओं पर आधारित होनी चाहिए । हैसियत, पारिवारिक संबंधों ,सामाजिक पृष्ठभूमि व ऐसे ही अन्य कारकों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए ।

01-Mar-2022

https://brainly.in › question

अवसर की समानता से आप क्या समझते हैं - Brainly.in

About featured snippets   Feedback

People also ask

19:08 5G+ 61
google.com/search?q=pral

Google

prakrutik Adhikar kya hai likhiye

News Images Videos Books Maps All

Did you mean: ***prakritik*** Adhikar kya hai likhiye

हिंदी में खोजें प्राकृतिक अधिकार क्या है लिखिए

इसे सुनें

प्राकृतिक अधिकार वे हैं जो किसी विशेष संस्कृति या सरकार के नियमों या रिवाजों पर निर्भर नहीं होते, अतः सार्वभौमिक और अविच्छेद्य होते हैं (अर्थात्, वे अधिकार जो मानवीय नियमों द्वारा निरसित या निरुद्ध नहीं कियें जा सकते)।

W https://hi.m.wikipedia.org › wiki

प्राकृतिक और विधिक अधिकार - विकिपीडिया

About featured snippets Feedback

W विकिपीडिया
https://hi.m.wikipedia.org › wiki

प्रकृति के अधिकार

प्रकृति के अधिकार एक कानूनी और न्यायिक सिद्धांत है, जो कि मौलिक

19:08
google.com/search?q=Shil

Google

Shiksha Ka Adhikar kya hai likh

Pdf Notes Images Videos News All fi

हिंदी में खोजें
शिक्षा का अधिकार क्या है लिखिए

इसे सुनें

शिक्षा का अधिकार

संविधान (छियासीवां संशोधन) अधिनियम, 2002 ने भारत के संविधान में अंत: स्थापित अनुच्छेद 21-क, ऐसे ढंग से जैसाकि राज्य कानून द्वारा निर्धारित करता है, मौलिक अधिकार के रूप में **छह से चौदह वर्ष के आयु समूह में सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है**।

https://www.education.gov.in › rte-...
स्कूल शिक्षा | भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय

About featured snippets Feedback

People also ask

शिक्षा का अधिकार क्या है प्रश्न उत्तर?

- संवैधानिक उपचारों का **अधिकार** : अनुच्छेद 32.

https://www.ihra.co.in › fundament...

Fundamental Rights - मौलिक अधिकारों का अर्थ - IHRA

About featured snippets Feedback

People also ask

6 मौलिक अधिकार कौन कौन से हैं?

मौलिक अधिकार (भाग- 1)

- समता का **अधिकार** (अनुच्छेद 14-18)
- स्वतंत्रता का **अधिकार** (अनुच्छेद 19-22)
- शोषण के विरुद्ध **अधिकार** (अनुच्छेद 23-24)
- धर्म की स्वतंत्रता का **अधिकार** (अनुच्छेद 25-28)
- संस्कृति और शिक्षा संबंधी **अधिकार** (अनुच्छेद 29-30)
- संवैधानिक उपचारों का **अधिकार** (अनुच्छेद 32)

https://www.drishtiias.com › printpdf

मौलिक अधिकार (भाग- 1) - Drishti IAS

MORE RESULTS

मौलिक अधिकार कितने है नाम लिखो?

भारत में 7 मौलिक अधिकार क्या हैं?

19:08 5G+ 61

google.com/search?q=Mar

Google

Manav Adhikar kya hai likhiye

Pdf | Meaning | Videos | News | Images | B

हिंदी में खोजें मानव अधिकार क्या है लिखिए

इसे सुनें

मानवाधिकार क्या हैं? मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो किसी भी व्यक्ति को जन्म के साथ ही मिल जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो किसी भी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और प्रतिष्ठा का अधिकार ही मानव अधिकार है। 07-Jul-2022

https://www.drishtiias.com › blog

भारत में मानवाधिकार का संरक्षण एवं विकास - Drishti IAS

About featured snippets   Feedback

People also ask

मानव अधिकार क्या हैं?

19:08

google.com/search?q=uda

Google

udarvad kya hai likhiye

Wikipedia | Pdf | Meaning | Videos | News

हिंदी में खोजें   उदारवाद क्या है लिखिए

इसे सुनें

उदारवाद एक राजनीतिक और नैतिक दर्शन है जो स्वतंत्रता, शासित की सहमति और कानून के समक्ष समानता पर आधारित है। उदारवाद आमतौर पर सीमित सरकार, व्यक्तिगत अधिकारों (नागरिक अधिकारों और मानवाधिकारों सहित), पूंजीवाद (मुक्त बाज़ार), लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, लिंग समानता, नस्लीय समानता और अंतर्राष्ट्रीयता का समर्थन करता है। 04-Sept-2019

https://www.drishtiias.com › hindi

उदारवाद - Drishti IAS

About featured snippets   Feedback

विकिपीडिया
https://hi.m.wikipedia.org › wiki

उदारतावाद

19:09
google.com/search?client=

Google

न्यायोचित प्रतिबंध क्या है लिखिए

समाचार | वीडियो | इमेज | मैप | किताबें | सभी फ़िल्टर

Search in English nyayochit Pratibandh kya hai...

इसे सुनें

अनुच्छेद-19 (2) के तहत सरकार कानूनी दायरे में न्यायोचित प्रतिबंध लगा सकता है। देश की संप्रभुता की रक्षा, देश की निष्ठा की रक्षा, देश हित को बनाए रखने के लिए, विदेशी रिलेशन को प्रोटेक्ट करने के लिए और पब्लिक ऑर्डर बरकरार रखने के लिए कानून का इस्तेमाल कर अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगा सकता है। 2 अप्रैल 2019

https://navbharattimes.indiatimes.com › ...

अभिव्यक्ति की आजादी और राजद्रोह की सीमा क्या है? - Navbharat Times

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी | सुझाव/राय दें या शिकायत करें

ElegantAnswer.com
https://elegantanswer.com › ...

न्यायोचित प्रतिबंध क्या है?

19:09 ··· 5G+ 61

google.com/search?q=माक्र

Google

मार्क्सवाद क्या है

वीडियो | इमेज | समाचार | Pdf | नव | सभी फ़िल्टर

Search in English | what is marxism

मार्क्सवाद

राजनैतिक विचारधारा

इसे सुनें

मार्क्सवाद **मानव सभ्यता और समाज को हमेशा से दो वर्गों -शोषक और शोषित- में विभाजित मानता है**। माना जाता है साधन संपन्न वर्ग ने हमेशा से उत्पादन के संसाधनों पर अपना अधिकार रखने की कोशिश की तथा बुर्जुआ विचारधारा की आड़ में एक वर्ग को लगातार वंचित बनाकर रखा।

W https://hi.m.wikipedia.org › wiki

मार्क्सवाद - विकिपीडिया

लोग यह भी जानना चाहते हैं

मार्क्सवाद का अर्थ क्या होता है?

मार्क्सवाद का मूल सिद्धांत क्या है?

19:09

google.com/search?q=सामू

Google

सामूहिक उत्तरदायित्व क्या है लिखिए

समाचार | इमेज | वीडियो | किताबें | शॉपिंग | सभी फ़िल्

Search in English

write what is collective resp...

इसे सुनें

सामूहिक उत्तरदायित्व कैबिनेट की एकजुटता के सिद्धांत पर आधारित है। इसका तात्पर्य यह है कि किसी एक मंत्री के विरुद्ध अविश्वास मतदान होने पर संपूर्ण मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना होता है।

https://byjus.com › question-answer

Q. भारत में कार्यपालिका के संदर्भ में, 'सामूहिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत ...

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी

सुझाव/राय दें या शिकायत करें

MP Board Question Papers

https://www.mpboardonline.com › ...

सामूहिक उत्तरदायित्व किसे कहते हैं ? Answer... राजनीति विज्ञान ...

Answer:उत्तर- यदि निम्न या लोकप्रिय सदन (लोकसभा) मंत्रिपरिषद् के किसी भी मंत्री या सदस्य में अविश्वास करें तो उसे त्याग पत्र देना पड़ता ...

19:10 ··· 61
google.com/search?q=संवैध

Google

संवैधानिक उपचारों का अधिकार क्या है

इमेज समाचार वीडियो किताबें शॉपिंग मैप

Search in English write what is the right to con...

इसे सुनें

अनुच्छेद 32 - संवैधानिक उपचारों का अधिकार

इसके तहत किसी भी व्यक्ति मौलिक अधिकारों के हनन होने पर न्यायालय की शरण ले सकता है।

9 जुल॰ 2023

https://byjusexamprep.com › article...

अनुच्छेद 32 (Article 32 in Hindi) - संवैधानिक उपचारों का अधिकार

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी · सुझाव/राय दें या शिकायत करें

Drishti IAS
https://www.drishtiias.com › printpdf

संवैधानिक उपचारों का अधिकार एवं महत्त्व

अनुच्छेद 32 का उद्देश्य मूल अधिकारों के संरक्षण हेतु गारंटी, प्रभावी, सुलभ और संक्षेप उपचारों की व्यवस्था है। · भारतीय संविधान द्वारा ...

Google

राज्य के नीति निर्देशक तत्व को समझाइ

समाचार | किताबें | वीडियो | इमेज | शॉपिंग | सभी फ़िल

Search in English — explain the directive principl...

इसे सुनें

राज्य के नीति निर्देशक तत्व (directive principles of state policy) जनतांत्रिक संवैधानिक विकास के नवीनतम तत्व हैं। सबसे पहले ये आयरलैंड (Ireland) के संविधान मे लागू किये गये थे। ये वे तत्व है जो संविधान के विकास के साथ ही विकसित हुए है। इन तत्वों का कार्य एक जनकल्याणकारी राज्य (वेलफेयर स्टेट) की स्थापना करना है।

W https://hi.m.wikipedia.org › wiki

निदेशक तत्त्व - विकिपीडिया

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी | सुझाव/राय दें या शिकायत करें

youtube.com
https://m.youtube.com › watch

राज्य के नीति निदेशक तत्त्व. - YouTube

Google

मौलिक कर्तव्य क्या है

इमेज | समाचार | वीडियो | किताबें | मैप | सभी फ़िल्टर

Search in English what is fundamental duty

मौलिक कर्तव्य

मौलिक कर्तव्य भारत के संविधान के भाग 4 मलिखित है। इन कर्तव्यों का पालन करना हर नागरिक का दायित्व है, परन्तु वह इन कर्तव्यों का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है। सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर 42वां संविधान संशोधन 1976 द्वारा इसमें 10 मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया। विकिपीडिया

लोग यह भी जानना चाहते हैं

मौलिक कर्तव्य क्या है हिंदी में?

11 मूल कर्तव्य क्या है?

10 मौलिक कर्तव्य क्या हैं?

मौलिक कर्तव्यों की संख्या कितनी है?

19:10 ··· 5G+ 61

google.com/search?q=संपत्ति

Google

संपत्ति का अधिकार कब और किस संवि

समाचार | वीडियो | किताबें | शॉपिंग | इमेज | सभी फ़िल

Search in English — when and under which const...

इसे सुनें

Detailed Solution. सही उत्तर चवालिसवें संशोधन है। संपत्ति के अधिकार को चवालिसवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था।

https://testbook.com › question-ans...

संपत्ति के अधिकार को भारतीय संविधान के किस संशोधन द्वारा मौलिक अधिकारों की ...

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी | सुझाव/राय दें या शिकायत करें

NoBroker
https://www.nobroker.in › forum

संपत्ति का अधिकार कब हटाया गया

12 अप्रैल 2023 — 'संपत्ति के अधिकार को कब हटाया गया' इसका जवाब है 1978 में मोरारजी देसाईजी के प्रधानमंत्री काल में 44 वे संवैधानिक संशोधन के ...

19:10 5G+ 61
google.com/search?q=समा
Google

समानुपातिक न्याय का सिद्धांत क्या है र

Search in English explain what is the principle ...

इसे सुनें

उत्तर: समानुपातिक न्याय का सिद्धान्त-समाज में न्याय की स्थापना हेतु प्रत्येक परिस्थिति में समान बरताव के सिद्धान्त को लागू नहीं किया जा सकता। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ हो सकती हैं जिसमें हर व्यक्ति के साथ समान बरताव किया जाना अन्याय होगा। इन्हीं स्थितियों में समानुपातिक न्याय' का सिद्धान्त लागू किया जाता है। 5 सित॰ 2022

https://rbsesolutions.in › rbse-class-...

RBSE Class 11 Political Science Important Questions Chapter 4 ...

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी   सुझाव/राय दें या शिकायत करें

लोग यह भी जानना चाहते हैं

सामान्य न्याय का सिद्धांत क्या है?

19:10

google.com/search?q=साम

Google

सामाजिक न्याय क्या है इसकी विशेषता

समाचार | वीडियो | किताबें | इमेज | मैप | सभी फ़िल्टर

Search in English — what is social justice? write i...

इसे सुनें

सामाजिक न्याय से आशय एक ऐसे न्यायपूर्ण समाज की स्थापना से है जिसमें सामाजिक-आर्थिक विषमताएँ न्यूनतम हों, समाज 'समावेशी' हो और संसाधनों का वितरण सर्वमान्य स्वीकृति के आधार पर हो । सामाजिक न्याय का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों को सामाजिक समानता उपलब्ध कराना है।

https://www.drishtiias.com › ... PDF

सामाजिक न्याय

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी · सुझाव/राय दें या शिकायत करें

लोग यह भी जानना चाहते हैं

सामाजिक न्याय क्या है इसकी विशेषता बताइए?

WhatsApp Group Join Now
Telegram Group Join Now

स्वतंत्रता का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Liberty in hindi) | स्वतंत्रता से आप क्या समझते है?

स्वतंत्रता का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Liberty in hindi): स्वतंत्रता का अर्थ होता है किसी व्यक्ति या समूह को अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों को स्वतंत्र रूप से निर्धारित करने की स्वाधीनता देना है । इससे व्यक्ति या समुदाय को विभिन्न प्रकार की आज़ादी और कई अधिकार प्राप्त होते हैं, जो उन्हें अपने जीवन की विभन्न समस्याओं और दृष्टिकोणों से निपटने में सहयोग करते हैं । स्वतंत्रता एक मौलिक मूल्य होता है जो किसी व्यक्ति या समुदाय के जीवन में उत्कृष्ट महत्व रखता है ।

English Hindi

स्वतंत्रता के प्रकार (Types of Liberty)

1. प्राकृतिक स्वतंत्रता

प्राकृतिक स्वतंत्रता वह स्वतंत्रता है, जो मनुष्य को अपने जन्म के साथ प्राप्त होती है, जिसे मनुष्य स्वंय भी नहीं बदल सकता है । यह स्वतंत्रता राज्य के अस्तित्व मे आने से पूर्व की अवस्था है । प्राकृतिक स्वतंत्रता का मतलब होता है कि एक व्यक्ति अपने जीवन में प्रकृति के साथ संतुलित रूप से रहता है और प्रकृति के नियंत्रण या अधीनता के बिना अपने जीवन को जीता है । यह एक ऐसी स्थिति होती है जहां व्यक्ति प्रकृति के साथ संबंध बनाए रखता है और प्रकृति के संसाधनों के सही उपयोग से अपनी ज़िन्दगी गुजारता है ।

2. नागरिक स्वतंत्रता

नागरिक स्वतंत्रता वह स्वतंत्रता है, जो मनुष्य को एक समाज तथा राज्य के सदस्य के रूप मे प्राप्त होती है तथा जिसे राज्य मान्यता प्रदान कर संरक्षण देता है । देश के संविधान मे भी इनका समावेश है, जिन्हे हम मूल अधिकारों के रूप मे देखते है । इसके अलावा नागरिक स्वतंत्रता ऐसे अधिकारों और विशेषाधिकारों को कहते है, जिन्हे किसी राज्य के द्वारा अपने नागरिकों के लीये जारी किया जाता है एवं राज्य ही उनकी रक्षा करता है । नागरिक स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण अधिकार है जो लगभग हर व्यक्ति को मिलता है । इसके अंतर्गत हमें अपने विचारों, धर्म, राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर अपना विचार व्यक्त करने का अधिकार होता है ।

3. व्यक्तिगत स्वतंत्रता

व्यक्तिगत स्वतंत्रता में, व्यक्ति अपने जीवन के निर्धारण को [illegible] इच्छानुसार निर्धारित करता है । इसमें उनकी सोच, विचार, और विभिन्न

3. व्यक्तिगत स्वतंत्रता

व्यक्तिगत स्वतंत्रता में, व्यक्ति अपने जीवन के निर्धारण को अपनी इच्छानुसार निर्धारित करता है । इसमें उनकी सोच, विचार, और विभिन्न क्रियाएं खुली होती हैं और वह अपनी ज़िम्मेदारियों और चुनौतियों के लिए स्वयं उत्तरदायी होता है । यह एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और उन्हें अपने जीवन का निर्धारण अपने हाथ में लेने की स्वतंत्रता प्रदान करती है ।

4. राजनीतिक स्वतंत्रता

वह स्वतंत्रता जिसमे राज्य के प्रत्येक नागरिक को सभी राज्यकार्यों एवं राजनीतिक व्यवस्था मे भाग लेने की आजादी प्राप्त हो । गिलक्राइस्ट ने इसे लोकतंत्र के दूसरे नाम से संबोधित किया है । इस प्रकार की स्वतंत्रता के अंतर्गत मतदान करने, चुनाव मे हिस्सा लेने एवं सार्वजनिक पदों पर नियुक्ति पाने का अधिकार प्राप्त है ।

5. धार्मिक स्वतंत्रता

यह स्वतंत्रता किसी व्यक्ति के द्वारा किसी भी धर्म को मानने की आस्था एवं आचरण के लिए छूट देती है । यह लोगों को धर्मीय दलों और समूहों के संघर्षों से दूर रखती है और उन्हें अपनी धर्मीय विचारधारा और मूल्यों के आधार पर जीवन जीने की स्वतंत्रता देती है । यह एक व्यक्ति की स्वतंत्रता होती है जो उनकी अपनी धर्मीय विचारधारा और विचारों को प्रदर्शित करती है ।

6. आर्थिक स्वतंत्रता

आर्थिक स्वतंत्रता का मतलब होता है कि एक व्यक्ति अपने आर्थिक

एवं आचरण के लिए छूट देती है । यह लोगों को धर्मीय दलों और समूहों के संघर्षों से दूर रखती है और उन्हें अपनी धर्मीय विचारधारा और मूल्यों के आधार पर जीवन जीने की स्वतंत्रता देती है । यह एक व्यक्ति की स्वतंत्रता होती है जो उनकी अपनी धर्मीय विचारधारा और विचारों को प्रदर्शित करती है ।

6. आर्थिक स्वतंत्रता

आर्थिक स्वतंत्रता का मतलब होता है कि एक व्यक्ति अपने आर्थिक जीवन के फैसलों को अपनी इच्छानुसार लेने की स्वतंत्रता रखता है । इसका अर्थ होता है कि उन्हें अपने आय के स्रोत, खर्च करने के तरीके, सेविंग के फैसलों आदि के मामलों में स्वतंत्रता होती है । आर्थिक स्वतंत्रता एक व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है, उनके आर्थिक जीवन के सभी पहलुओं को संभालने की जिससे वह अपने आर्थिक लक्ष्यों को हासिल कर सके । इससे वह अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में स्वयं निर्णय ले सकता है और अपनी आर्थिक जीवन को एक स्वतंत्र तरीके से चलाने में सक्षम होता है ।

Facebook®
Watch Videos You Love to See
Watch the videos you love and so much more—only on Facebook Watch. Join Facebook now.
Sign Up

19:11 5G+ 61

google.com/search?q=प्रति

Google

प्रतिबंध क्यों आवश्यक है

वीडियो | समाचार | इमेज | मैप | किताबें | शॉपिंग

हिंदी में खोजें | प्रतिबंध क्यों आवश्यक है

इसे सुनें

Expert-Verified Answer

प्रतिबंध एक ऐसे समय में लगता जब किसी चीज की अति होने लगती है। Explanation: समाज में प्रतिबंध अपनी एक अहम भूमिका निभाता है। कोई भी ऐसी क्रिया या कार्य जो समाज के हित में नहीं होता हैं उस पर अंकुश लगाया है और उसे आगे बढ़ने से रोकता है। 01-Mar-2021

https://brainly.in › question

हमें प्रतिबंधों की आवश्यकता क्यों है - Brainly.in

About featured snippets | Feedback

People also ask

स्वतंत्रता के लिए प्रतिबंध की क्या आवश्यकता है?

हमें संविधान की अनिवार्यता क्यों होती है?

संविधान की आवश्यकता हमें क्यों पड़ती है वाक्य कीजिए?

एक देश का संविधान किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को उनकी गरिमा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कुछ अधिकारों और प्रावधानों की गारंटी देता है। यह देश के नागरिकों को उनके सभी मूल अधिकारों का आनंद लेने की आज्ञा देता है। संविधान जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति और लोकतंत्र में भागीदारी के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। 1 मार्च 2022

न्यू https://newinhindi.in › shiksha › hu...

हमें संविधान की जरूरत और आवश्यकता क्यों है? | Need Of Constitution In Hindi

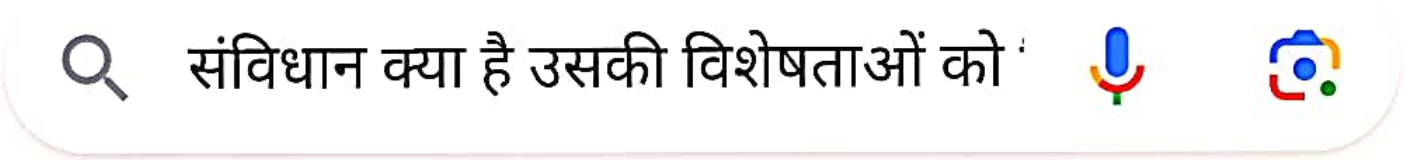

संविधान क्या है उसकी विशेषताओं को

समाचार | वीडियो | इमेज | किताबें | मैप | शॉपिंग

Search in English — what is constitution? write it...

इसे सुनें

संविधान, किसी भी देश का मौलिक कानून है जो सरकार के विभिन्न अंगों की रूपरेखा और मुख्य कार्य का निर्धारण करता है। साथ ही यह सरकार और देश के नागरिकों के बीच संबंध भी स्थापित करता है। वर्तमान में, भारत का संविधान 465 अनुच्छेद जो 25 भागों और 12 अनुसूचियों में लिखित है। 22 दिस॰ 2015

https://www.jagranjosh.com › भार...

भारतीय संविधान की विशेषताएं

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी   सुझाव/राय दें या शिकायत करें

भारतीय संविधान की विशेषताएं

भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- सबसे लंबा लिखित संविधान
- विभिन्न स्रोतों से आहरित
- कठोरता एवं नम्यता का मिश्रण
- एकात्मक झुकाव के साथ संघीय प्रणाली
- सरकार का संसदीय स्वरूप
- संसदीय संप्रभुता एवं न्यायिक सर्वोच्चता का संश्लेषण
- एकीकृत एवं स्वतंत्र न्यायपालिका
- मौलिक अधिकार
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
- मौलिक कर्तव्य
- एक धर्मनिरपेक्ष राज्य
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार
- एकल नागरिकता
- स्वतंत्र निकाय
- आपातकालीन प्रावधान
- त्रिस्तरीय सरकार

×

7 स्थगन प्रस्ताव और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में अंतर
8 FAQs

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव | Calling Attention Motion in Hindi क्या है?

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव को पहली बार 1954 में पेश किया गया था। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सार्वजनिक हितों के दायरे में तत्काल चर्चा के लिए एक संसदीय प्रोटोकॉल है। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव उन सभी सदनों के तहत लागू है जहां लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित उम्मीदवार भारत में मिलते हैं और इसमें लोकसभा, राज्यसभा और संबंधित राज्यों की विधानसभा शामिल हैं। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए प्रत्येक सदस्य को एक सत्र के दौरान 2 मौके मिलते हैं।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव कब आता है?

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संसद के संबंधित मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए लाया जाता है। इस प्रस्ताव पर न तो कोई चर्चा होती है और न ही मतदान होता है। इस प्रस्ताव के आने के बाद सदन के नियमित काम को रोककर महत्वूपर्ण मामले पर चर्चा कराई जा सकती है और कोई भी सदस्य सरकार का ध्यान तुरंत के मामले की और ले जा सकता है।

sunane kal kya hota hai likhiye

Videos | Images | News | Books | Shopping

हिंदी में खोजें

सुनाने कल क्या होता है लिखिए

इसे सुनें

शून्य काल में किसी भी मुद्दे को उठाने के लिए सुबह 10:00 बजे से पहले सभा के अध्यक्ष को उसे संबंध में नोटिस देना होता है. नोटिस में उस मुद्दे का जिक्र होना जरूरी है, जिसे सदस्य सभा में उठाना चाहते हैं. इसके बाद ही सदन के स्पीकर किसी मुद्दे को उठाने की अनुमति दे सकते हैं या फिर उसे अस्वीकार कर सकते हैं. 04-Aug-2023

https://www.prabhatkhabar.com › w...

Explainer: प्रश्नकाल और शून्यकाल में क्या होता है अंतर, कैसे चलती है सदन की ...

Search in English | loktantrik Sarkar Kya Hai Iski...

इसे सुनें

लोकतन्त्र में ऐसी व्यवस्था रहती है की जनता अपनी मर्जी से विधायिका चुन सकती है। लोकतन्त्र एक प्रकार का शासन व्यवस्था है, जिसमे सभी व्यक्ति को समान अधिकार होता हैं। एक अच्छा लोकतन्त्र वह है जिसमे राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है।

https://hi.m.wikipedia.org › wiki

लोकतंत्र - विकिपीडिया

फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी | सुझाव/राय दें या शिकायत करें

Brainly.in
https://brainly.in › question

लोकतांत्रिक सरकार की कोई तीन विशेषताएं लिखिए

6 अग॰ 2020 — एक लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएं

लिखित उत्तर

Verified by Experts

लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं - सार्वजनिक संप्रभुता का प्रावधान समानता स्वतंत्रता भाई-चारा विकासवादी सरूप वयस्क मताधिकार मौलिक अधिकार आवधिक चुनाव बहुमत का शासन शासन में हिस्सा लेने का अधिकार कानून का शासन धर्मनिरपेक्षता सरकार की आलोचना करने का अधिकार

Was this answer helpful? 622

Class 9 SOCIAL SCIENCE

लोकतंत्र क्या और क्यों L2,L3,L4 HW NEET

Doubtnut karaega aapki NEET ki Taiyaari

और जानें.

सामाजिक न्याय

एक विचार के रूप में **सामाजिक न्याय** (social justice) की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे 'उत्तम जीवन' की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसका अर्थ हमेशा सुस्पष्ट ही होता है। सिद्धांतकारों ने इस प्रत्यय का अपने-अपने तरीके से इस्तेमाल किया है। व्यावहारिक राजनीति के क्षेत्र में भी, भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को ले कर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है।

यद्यपि एक विचार के रूप में विभिन्न धर्मों की बुनियादी शिक्षाओं में सामाजिक न्याय के विचार को देखा जा सकता है, लेकिन अधिकांश धर्म या सम्प्रदाय जिस व्यावहारिक रूप में सामने आये

Samanta ka Arth V Uske prakar

News Videos Images Books Shopping

हिंदी में खोजें

सामंत का अर्थ वी उसके रूपों को लि...

इसे सुनें

समानता का अर्थ किसी समाज की उस स्थिति से है, जिसमें सभी लोग समान अधिकार या प्रतिष्ठा रखते हैं। कानून भी कहता है, हर किसी को एक समान अधिकार मिलें। इसके तहत सुरक्षा, मतदान का अधिकार, भाषण की स्वतंत्रता, एकत्र होने की स्वतंत्रता, संपत्ति का अधिकार, सामाजिक वस्तुओं एवं सेवाओं पर समान पहुंच आदि आते हैं।

19-Sept-2017

https://www.jagran.com › shahjahan...

विकास के लिए जरूरी सामाजिक समानता - - Jagran

About featured snippets Feedback

हो।"

समानता के प्रकार या रूप (samanta ke prakar)

समानता के निम्नलिखित प्रकार हैं--

1. प्राकृतिक समानता

प्राकृतिक समानता का अर्थ है कि प्रकृति ने सभी व्यक्तियों को समान रूप से पैदा किया है, अतः सभी समान है। इस प्रकार सभी व्यक्ति जन्म से समान होते है और उनमे कोई असमानता नही पाई जाती है।

2. नागरिक समानता

नागरिकता समानता से तात्पर्य है कि सभी लोगों को नागरिक अधिकार और स्वतंत्रताएं समान रूप से मिलनी चाहिए। कानून की दृष्टि से सभी नागरिक बराबर होने चाहिए। राज्य व समाज द्वारा नागरिकों को जो स्वतंत्रता प्रदान की जाती है वह नागरिक स्वतंत्रता होती है, जैसे धार्मिक, भाषण, प्रेस आदि की स्वतंत्रता।

3. राजनीतिक समानता

सभी लोगों को धर्म, रंग, जाति, जन्म आदि के आधार पर

का स्वतंत्रता।

3. राजनीतिक समानता

सभी लोगों को धर्म, रंग, जाति, जन्म आदि के आधार पर बिना किसी भेदभाव किये समान रूप से राजनीतिक अधिकार मिलना राजनीतिक स्वतंत्रता है। इस प्रकार की नजर मे सभी को समान माना जाना चाहिए।

4. आर्थिक समानता

आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक समानता मिथ्या हैं। आर्थिक समानता से हमारा अभिप्राय धन के समान वितरण अथवा आय की समानता से नही हैं, बल्कि इसका तात्पर्य यह है कि समस्त नागरिकों की प्राथमिक जरूरतों की पूर्ति की जाए। तत्पश्चात यदि कुछ राष्ट्रीय बचत हो तो उसका वितरण सामाजिक हित मे हो। समाजवाद और साम्यवाद इसी तथ्य की पुष्टि करते है।

5. कानूनी समानता

कानूनी समानता से तात्पर्य है की सभी कानून की दृष्टि मे समान है। किसी के साथ पक्षपात ना हो। रूसो का कथन है " सभी नागरिकों को कानूनी समानता प्रदान करना नागरिक समाज की प्रमुख विशेषता है।

6. सामाजिक समानता

प्राकृतिक अथवा नैतिक समानता का आदर्श विचार मात्र हैं, जबकि सामाजिक समानता एक वास्तविकता हैं। हमने समानता के वास्तविक अर्थ के विषय में जो कुछ कहा यहाँ लागू होता हैं। इसका यह निहितार्थ है कि सबके अधिकार तथा अवसर समान हों ताकि प्रत्येक अपने व्यक्तित्व का सर्वोत्तम संभव विकास कर सके। इसका सर्वोत्तम रूप कानून के संसार में देखा जा सकता है जहाँ हम कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत तथा सबको इनके समान संरक्षण के बारे में देखते हैं। देश का कानून सर्वोच्च पदों पर स्थिति राष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री से लेकर सबसे नीचे सिपाही या चौकीदार पर समान रूप में लागू होता हैं। न्यायिक व्यवस्था किसी की सामाजिक अथवा आर्थिक स्थिति के भेदभाव से रहित होकर सभी के अधिकारों की रक्षा करती हैं।

7. नैतिक समानता

इसका तात्पर्य यह है कि राज्य को देश की सभी संस्कृतियों, भाषाओं तथा साहित्य को विकसित होने का समान अवसर व सुविधा प्रदान करनी चाहिए। उसे सबके साथ निष्क्षता का व्यवहार करना चाहिए। साथ ही साथ सबको शिक्षा का समान अधिकार प्राप्त होना चाहिए।

sarkariguider.in/samanta-a

समानता और स्वतन्त्रता में सम्बन्ध अथवा स्वतन्त्रता और समानता एक दूसरे के पूरक है।

स्वतन्त्रता और समानता के पारस्परिक सम्बन्ध के विषय पर राजनीतिशास्त्रियों में पर्याप्त मतभेद है। कुछ व्यक्तियों द्वारा स्वतन्त्रता और समानता के लोक प्रचलित अर्थों के आधार पर इन्हें प विरोधी बताया गया है। इनके अनुसार स्वतन्त्रता अपनी इच्छ कार्य करने की शक्ति का नाम है। जबकि समानता का तात्पर्य प्रत्येक प्रकार के सभी व्यक्तियों को समान समझने से है। इन व्यक्तियों का विचार है कि यदि सभी व्यक्तियों को स्वतन्त्रता प्रदान कर दी जाती है तो जीवन के परिणाम नितान्त असमान होंगे और शक्ति के आधार पर सभी व्यक्तियों को समान कर दिया जाए तो यह समानता व्यक्तिगत स्वतन्त्रता को नष्ट कर देगी। केवल सामान्य व्यक्ति ही नहीं वरन् **डी. टाकविले** और **लॉर्ड एक्टन** जैसे राजनीति विज्ञान के प्रसिद्ध विद्वानों का भी यह विचार है। कि स्वतन्त्रता और समानता परस्पर विरोधी है। **लॉर्ड एक्टन** एक स्थान पर कहते हैं कि "समानता की उत्कृष्ट अभिलाषा के कारण स्वतन्त्रता की आशा ही व्यर्थ हो गयी है। "

किन्तु टाकविले और **लॉर्ड एक्टन**, आदि विद्वानों का विचार सत्य नहीं है। वस्तुतः लॉर्ड एक्टन, आदि विद्वानों द्वारा स्वतन्त्रता और समानता के जिस रूप की कल्पना की गयी है, स्वतन्त्रता और समानता का वह रूप न तो समाज में कहीं प्राप्त है औन ही राजनीति विज्ञान में स्वतन्त्रता और समानता को उस रूप में स्वीकार किया गया है। इस सम्बन्ध में लॉस्की ने लिखा है कि "डी. टाकविले और लॉर्ड एक्टन के मस्तिष्क में स्वतन्त्रता के प्रति उत्कृष्ट अभिलाषा होने के कारण ही उनके द्वारा स्वतन्त्रता और समानता को परस्पर विरोधी समझा गया, किन्तु यह एक गलत निष्कर्ष है और उनके द्वारा समानता का तात्पर्य गलत रूप से लेने के लिए कारण ही ऐसा किया गया ।" सभी व्यक्तियों को अपनी इच्छानुसार कार्य करने की स्वतन्त्रता तो हॉब्स के बर्बर समाज में ही प्राप्त थी, जिसमें वास्तविक अर्थ में कोई भी स्वतन्त्र नहीं था। इसी प्रकार सभी व्यक्तियों की प्राकृतिक समानता या आ समानता तो स्वप्नलोक की वस्तु है जिसे समानता पर आ

लोकतंत्र

लोक- केन्द्रीय शासन व्यवस्था

लोकतन्त्र या **प्रजातन्त्र** एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसके अन्तर्गत जनता अपनी स्वेच्छा से निर्वाचन में आए हुए किसी भी उम्मीदवार को मत देकर अपना प्रतिनिधि चुन सकती है[1], तथा उसे विधायिका का सदस्य बना सकती है। लोकतन्त्र दो शब्दों से मिलकर बना है, "लोक + तन्त्र"। लोक का अर्थ है जनता तथा तन्त्र का अर्थ है शासन।[2]

यद्यपि शब्द का प्रयोग राजनीतिक सन्दर्भ में किया जाता है, किन्तु लोकतन्त्र का सिद्धान्त दूसरे समूहों और संगठनों के लिये भी संगत है। मूलतः लोकतन्त्र भिन्न-भिन्न सिद्धान्तों के मिश्रण बनता है, लोकतन्त्र जनता का, जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है। लोकतन्त्र में ऐसी व्यवस्था रहती है की जनता अपनी मर्जी से विधायिका चुन सकती है। लोकतन्त्र एक प्रकार का शासन व्यवस्था है, जिसमे सभी व्यक्ति को समान अधिकार होता हैं। एक अच्छा लोकतन्त्र वह है जिसमे राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगो को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक स्वतन्त्रता प्रदान करती हैं।

लोकतन्त्र के प्रकार

भारत में लोकतन्त्र के प्राचीनतम प्रयोग

हिंदी में खोजें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से आप क्या ...

इसे सुनें

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (freedom of expression) या वाक स्वतंत्रता (freedom of speech) **किसी व्यक्ति या समुदाय द्वारा अपने मत और विचार को बिना प्रतिशोध, अभिवेचन या दंड के डर के प्रकट कर पाने की स्थिति होती है**। इस स्वतंत्रता को सरकारें, जनसंचार कम्पनियाँ, और अन्य संस्थाएँ बाधित कर सकती हैं।

W https://hi.m.wikipedia.org › wiki

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता - विकिपीडिया

About featured snippets Feedback

भारत के संविधान का अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा

अनुच्छेद 21 में कहा गया है कि "किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा।" इस प्रकार, अनुच्छेद 21 दो अधिकार सुरक्षित करता है:

- जीवन का अधिकार, और
- 2) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार।

भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 की स्थापना के लिए प्रावधान किया। यह घोषणा करता है कि कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा। अनुच्छेद 21 भारतीय संविधान के भाग III के अंतर्गत आता है और भारत के सभी नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों में से एक है। इस लेख में, हम विभिन्न अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर चर्चा करेंगे जो अनुच्छेद 21 का हिस्सा हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21

- अनुच्छेद 21 एक मौलिक अधिकार है और भारतीय संविधान के भाग-III में शामिल है।

अंतर्गत आता है और भारत के सभी नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों में से एक है। इस लेख में, हम विभिन्न अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर चर्चा करेंगे जो अनुच्छेद 21 का हिस्सा हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21

- अनुच्छेद 21 एक मौलिक अधिकार है और भारतीय संविधान के भाग-III में शामिल है।
- यह अधिकार सभी नागरिकों के साथ-साथ गैर-नागरिकों के लिए भी समान रूप से उपलब्ध है।
- सुप्रीम कोर्ट ने इस अधिकार को "मौलिक अधिकारों का हृदय" बताया है
- न्यायमूर्ति भगवती के अनुसार, अनुच्छेद 21 "लोकतांत्रिक समाज में सर्वोच्च महत्व के संवैधानिक मूल्य का प्रतीक है।"
- अनुच्छेद 21 दो अधिकारों को सुरक्षित करता है: जीवन का अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार।
- आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 21 को निलंबित नहीं किया जा सकता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का अर्थ और दायरा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन के अधिकार का अर्थ पशु अस्तित्व या केवल सांस लेने का कार्य नहीं है। यह सम्मानजनक जीवन के अधिकार की गारंटी देता है। कुछ अधिकार जो वर्तमान में अनुच्छेद 21 के दायरे में शामिल हैं, वे शामिल हैं (मेनका मामले में उल्लिखित):

विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका

समाचार | इमेज | In english | वीडियो | किताबें | मैप

हिंदी में खोजें | विधायिका कार्यपालिका न्यायपालि...

इसे सुनें

विधायिका (legislature) का काम देश के लिए कानून बनाना है। **कार्यपालिका** (**executive**) का मुख्य काम उन कानूनों को लागू करना है। जबकि **न्यायपालिका** (judiciary) का काम उन कानूनों की समीक्षा करना है। **कार्यपालिका** का मुख्य कार्य कानून के कार्यान्वयन की निगरानी और निर्देशन करना है।

https://byjus.com › ias-hindi › what...

कार्यपालिका के मुख्य कार्य क्या हैं? - BYJU'S

About featured snippets | Feedback

लिखित उत्तर

Verified by Experts

विधायिका का प्रमुख कार्य कानून बनाना और बजट पारित करना है। ब्रिटेन और भारत में विधायिका मंत्रियों को सीधे-सीधे नियंत्रित करती है क्योंकि निचला सदन प्रधानमंत्री तथा मंत्रीपरिषद को हटा सकता है। विधायिकाओं को कुछ निर्वाचन शक्तियाँ भी प्राप्त हैं।

Was this answer helpful?

754

Class 8

SOCIAL SCIENCE

न्यायपालिका

NEET

Doubtnut karaega aapki NEET ki Taiyaari

भारतीय संविधान में कानून बनाने की प्रक्रिया समझाइए।

संसद में कानून निर्माण की प्रक्रिया

संसद में पारित होने तथा राष्ट्रपति की स्वीकृति के पश्चात यह कानून बन जाता है। संसद की विधायी प्रक्रिया में क़ानून निर्माण के लिए किसी सामान्य विधेयक को निम्न चरणों से गुजरना पड़ना है।

1. पुनःस्थापना
2. प्रस्ताव
3. प्रवर समिति का प्रतिवेदन
4. विधेयक पुनः स्थापित किये जाने वाले सदन द्वारा विधेयक का पारित किया जाना
5. विधेयक का दूसरे सदन में पारित किया जाना
6. राष्ट्रपति की अनुमति

1. **पुनःस्थापना** - अनुच्छेद 107 (1) के तहत धन या वित्त विधेयक से निम्न विधेयक संसद के किसी भी सदन में पुनः स्थापित अथवा प्रस्तुत किये जा सकते हैं और राष्ट्रपति की अनुमति के लिए प्रस्तुत किये जाने के पूर्व दोनों सदनों में पारित किया जाना चाहिए।

2. **प्रस्ताव** - जब विधेयक पुनः स्थापित कर लिया जाता है, तब उसके पश्चात् किसी उस विधेयक का प्रभारी सदस्य विधेयक के बारे में निम्नलिखित में से कोई प्रस्ताव कर सकता है -

भारत निर्वाचन आयोग

भारत की चुनाव नियामक संस्था

भारत निर्वाचन आयोग (अंग्रेज़ी: Election Commission of India) एक स्वायत्त एवं अर्ध-न्यायिक संस्थान है जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से विभिन्न से भारत के प्रातिनिधिक संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गयी थी।

Functions of Election Commission of India)

निर्वाचन आयोग की शक्तियां व कार्य निम्नलिखित हैं-

1. यह परिसीमन आयोग अधिनियम के अनुरूप निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करता है

2. यह निर्वाचक नामावलियों को तैयार करता है और समय समय पर उनमें सुधार करता है|यह सभी योग्य मतदाताओं को पंजीकृत करता है|

3. यह चुनावों कार्यक्रम निर्धारित करता है और उसे अधिसूचित करता है

4. यह चुनाव हेतु प्रत्याशियों के नामांकन स्वीकार करता है उनकी जाँच करता है

5. यह राजनीतिक दलों को पंजीकृत करता है और उन्हें चुनाव चिन्ह प्रदान करता है

6. यह चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा किये गए प्रदर्शन के आधार पर उन्हें राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय दलों का दर्जा प्रदान करता है

चेतावनी: इस टेक्स्ट में गलतियाँ हो सकती हैं। सॉफ्टवेर के द्वारा ऑडियो को टेक्स्ट में बदला गया है। ऑडियो सुन्ना चाहिये।

नमस्कार मित्र लोकतंत्र है तो उसका मतलब यही है कि जनता का जनता के लिए जनता के द्वारा होगा तू जनता जिसे चुन रही है वह ना आकर कोई दूसरा व्यक्ति आ जाएगा जो चुनाव में कुछ गड़बड़ करेगा या कुछ इस तरह से करें कर आएगा जो तू जनता का शासन कहां हुआ लोकतंत्र का मूल्य है कि जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों का शासन जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि है वह तभी आ सकते हैं जब चुनाव निष्पक्ष स्वतंत्र प्रणाली से हो अतः लोकतंत्र के लिए प्रथम और आवश्यक भूत सर्दी है या कितना होते हैं प्रतिनिधियों के जनता द्वारा चुने जाने वाले वह हमेशा निष्पक्ष हो पूर्ण विपक्ष और पूर्ण स्वतंत्रता के साथ में

Romanized Version

14 302

1 जवाब